138/4

पत्रावली शब्दशः मूल वाद का निस्तारण होने के कारण प्रश्न का औचित्य-हीन होने के कारण इसी स्तर पर खारिज किया जाता है। पत्रावली एकमात्र वादिनी दफ्तर होमट नं. के रूप है।

Signature Not Verified

Digitally signed by Pawan Kumar
Date: 2021.08.30 19:43:12 IST
Reason: SelfAttested